17

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सामाजिक विज्ञान	2 0 ...	हिन्दी

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

[redacted]

माध्यमिक

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

1	8	4	5	3	0	2	4	0
			पाँच	तीन	शून्य	दो	चार	शून्य

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 01 शब्दों में एक

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 05

ग :- परीक्षा का दिनांक 13 03 18

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा केन्द्र नं.: 451036

हायर सेकेण्ड्री स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Meena ... मीना वर्मा	2018

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
Smt. Chhaya Rathore (Adhyapak) Govt. N.P.H.S. HARDA V. No. 1468116	S. K. Singh 'Adhyapak' Govt. N.H.S. Nayagaon Valuer No. 1368028

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (...में)
1		
2		
3		
4		
5		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

06/4/18

... शब्दों में

(2) [ ] + [ ] = [ ]

योग पृ / पृष्ठ 2 के अंक / कुल

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (1) के उत्तर

अ) (iv) हीरा ।

(iii) नाना साहिब ।

स) (i) 395 ।

द) (i) 100 दिवस का।

इ) (ii) कृषि उत्पादों के लिए।

B S E

प्रश्न क्रमांक (2) के उत्तर

अ) यू. एन. डी. पी. ।

ब) हड़प (विलय) ।

स) ~~26~~ 26 नवम्बर 1949

द) प्रधानमंत्री ।

) सामाजिक ।

3

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (3) के उत्तर

अ) सत्य ।

ब) सत्य ।

स) असत्य ।

द) सत्य ।

इ) सत्य

प्रश्न क्रमांक (4) के उत्तर

i) खेल गतिविधियों का प्रसारण - (d) डी.डी. स्पोर्ट्स चैनल

ii) एकीकृत निर्देशित प्रक्षेपास्त्र योजना - (c) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

iii) ऊनी वस्त्र उद्योग - (a) सन् 1876

भारतीय रिजर्व बैंक - (e) बैंकों की बैंक

मिश्रित अर्थव्यवस्था - (b) व्यक्तियों तथा सरकार का

योग   पृष्ठ 4 के अंक   कुल अंक

प्रश्न क्रमांक

प्रश्न क्रमांक (5) के उत्तर

1. स्वर्ण आभूषणों की ।

2. तृतीयक क्षेत्र (सेवा क्षेत्र) ।

3. सन् 1969 में ।

4. ऐसे पदार्थ जिनके सेवन से मस्तिष्क शिथिल हो जाए, रक्तसंचार तेज हो जाए व उत्तेजना से क्षणिक आन्तरिक आनन्द की अनुभूति हो, उसे मादक या नशीला पदार्थ कहते है।

5. ऐसी स्थिति जिसमें व्यक्ति वर्तमान मजदूरी दर पर कार्य करने पर तैयार होता है परन्तु उसे रोजगार नहीं मिलता है. बेरोजगारी कहलाती है।

प्रश्न क्रमांक (6) का उत्तर

मृदा अपरदन :- बहते हुए जल, वायु व मानवीय क्रियाओं एवं जीव-जन्तुओं की क्रियाओं से मिट्टी की ऊपरी उपजाऊ सतह का कट जाना, बह जाना या उड़कर अन्यत्र स्थानांतरित हो जाना मृदा अपरदन कहलाता है। अर्थात् — मृदा के क्षय (कटाव) को ही मृदा अपरदन कहते हैं।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्रमांक (7) का उत्तर

लार्ड कर्जन ने सन् 1905 में "फूट डालो व शासन करो" की नीति का अनुसरण करते हुए के बंगाल को दो भागों में विभाजित कर दिया। उसने बंगाल की एकता को हानि पहुँचाने व हिन्दू - मुसलमानों में सदैव के लिए फूट डालने के उद्देश्य से बंगाल का विभाजन कर दिया, इससे बंगाल में विस्फोटक स्थिति उत्पन्न हो गई थी।

प्रश्न क्रमांक (8) का उत्तर

राष्ट्रीय आय की गणना एक वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) में उत्पादित वस्तुओं व सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को जोड़कर की जाती है।

प्रश्न क्रमांक (9) का उत्तर (अथवा)

द्वितीयक क्षेत्र :-

इस क्षेत्र की गतिविधियों के अन्तर्गत प्राकृतिक उत्पादों के विनिर्माण की प्रणाली द्वारा अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है। उदाहरण- लोहे से मशीन बनाना, कपास से कपड़े बनाना। ये कार्य प्राथमिक क्षेत्र के बाद अगला कदम होता है। इसमें वस्तुएँ सीधे प्रकृति से प्राप्त नहीं होती बल्कि मानवीय क्रियाओं द्वारा बनाया जाता है। ये क्रियाएँ किसी उद्योग या घर में की जाती है

प्रश्न क्र. 6 - चूँकि यह क्षेत्र विभिन्न उद्योगों से संब.धित होता है इसलिए इसे 'औद्योगिक क्षेत्र' भी कहते है।

प्रश्न क्रमांक (10) का उत्तर (अथवा)

एकाधिकार :- एकाधिकार से आशय यह है कि किसी वस्तु या सेवा के उत्पादन एवं वितरण पर उत्पादक या उत्पादकों के समूह का अधिकार होना। एकाधिकार में उत्पादक वस्तु के मूल्य, गुण उपलब्धता के सम्बंध में मनमानी करते है, फलतः वे उपभोक्ताओं का शोषण करने में सफल हो जाते है।

प्रश्न क्रमांक (11) का उत्तर (अथ

श्वेत क्रांति व पीत क्रांति में निम्न अंतर है-

श्वेत क्रांति	पीत क्रांति
1. श्वेत क्रांति का पशुपालन से निकट का संबंध है।	1. इसमें खाद्य तेलों एवं तिलहन फसलों के उत्पादन पर बल दिया जाता है।
2. इसे आपरेशन फ्लड के नाम से जाना जाता है।	2. इसे 'पीला सोना' के या पीली क्रांति के नाम से जाना जाता है।

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADSEH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MA

क्र.		
	उ. इसका आशय डेयरी विकास कार्यक्रमों के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	उ. ~~इसमें~~ खाद्य तेलों व तिलहनों में अनुसंधान एवं विकास रणनीति करके उत्पादन बढ़ाने को पीत क्रांति कहते है।

प्रश्न (12) का उत्तर
(क्रमांक)

सामाजिक वानिकी :-
विश्व बैंक से प्राप्त वित्तिय सहायता के आधार पर वृक्षारोपण इस योजना मे वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जाता है। इसमे चक वानिकी विस्तार वानिकी, शहरी वानीकी के अन्तर्गत वृक्षारोपण (सड़को, रेल, नहरों के किनारे) किया जाता है।

'हर बच्चे के लिए एक पेड़' यह नारा स्कूल कॉलेजो में विकसित किया गया है। सरकार द्वारा वन महोत्सव का प्रचार प्रसार कर वृक्षारोपण, फार्म वृक्षारोपण के द्वारा वृक्ष लगाकर जन भागीदारी को बढ़ावा दिया जाता है। वन कानूनों को लागू कर वृक्षों की कटाई पर रोक लगाई गई है। हिमालय क्षेत्रों में अत्यधिक पशुचारण पर रोक के लिए व्यवस्था की गई है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (13) का उत्तर

कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन सन् 1885 में हुआ हुआ। इसके अध्यक्ष व्योमेश चन्द्र बनर्जी थे। उन्होंने कांग्रेस की स्थापना के उद्देश्य बताए -

(1) साम्राज्य के विभिन्न भागों में देश हित के कार्यों में संलग्न एवं सभी व्यक्तियों के बीच घनिष्ठता एवं मित्रता को बढ़ावा देना।

(2) तत्कालीन महत्त्वपूर्ण ज्वलन्त सामाजिक समस्याओं के बारे में शिक्षित वर्ग के परिपक्व व्यक्तियों से सावधानी से विचार विमर्श कर उनका सामाजिक लेखा जोखा तैयार करना।

(3) जिस तारीख से जिन दिशाओं में अगले बारह महीनों में राजनेताओं को लोकहित में जो कार्य करने है उनकी रूपरेखा बनाना।

प्रश्न क्रमांक (14) के उत्तर (अथवा)

इल्बर्ट बिल का विरोध:-

वाइसराय लार्ड रिपन ने प्रजातीय भेदभाव को दूर करने के लिए एक कानून बनाने का प्रयास किया। इसे विधि सदस्य इल्बर्ट ने तैयार किया अतः इसे इल्बर्ट बिल कहा गया। भारतीय मजिस्ट्रेटों

B
S
E

MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

व सेसन जजों को दीवानी ~~मामल~~ मामलों मे ~~युप~~ युरोपिय लोगों की सुनवाई का अधिकार दिया जाता था।

भारतीय मजिस्ट्रेटों व जजों को ~~युरोपिय~~ युरोपीय अपराधियों की सुनवाई का अधिकार नहीं था, इस भेदभाव को दूर करने के लिए इल्बर्ट बिल लाया गया था। भारत में बसने वाले यूरोपीयनों ने इसका संगठित होकर विरोध किया व इसे काला कानून माना। अन्तत: ब्रिटिश सरकार को इसे वापस लेना पड़ा। भारतीयों के मन पर इसका गहरा असर पड़ा। यूरोपियनों द्वारा इल्बर्ट बिल का विरोध अंग्रेजों की भेदभाव पूर्ण नीति को उजागर करता था।

प्रश्न क्रमांक (15) का उत्तर (अथवा)

लोहा इस्पात उद्योग-

लोहा इस्पात उद्योग आधारभूत उद्योगों में से एक महत्त्वपूर्ण उद्योग है। किसी भी देश की आर्थिक विकास के लिए लोहा इस्पात उद्योग का विकास आवश्यक होता है। इस उद्योग की गणना महत्त्वपूर्ण उद्योगों में की जाती है। किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था का यह ~~मा~~ आधार स्तंभ होता है। यह आधुनिक औद्योगिक ढाँचे का आधार व राष्ट्रीय [illegible]क्ति का मापदण्ड होता है। लोहा इस्पात उद्योग का [illegible]योग, बस, रेल-पुल, यातायात के साधन, सड़क, भवन, [illegible]-शस्त्र कृषियंत्र आदि बनाने में किया जाता है। इसलिए लोहा इस्पात उद्योग आधारभूत उद्योग कहलाता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (17) का उत्तर

सूखा -
सूखा एक प्रमुख आपदा है, जो मानवीय चिन्ता का प्रमुख कारण बन रही है। हमारे देश के कुछ ही ऐसे क्षेत्र है जिन्हें सूखे की आपदा का सामना नही करना पड़ता। किसी क्षेत्र मे होनेवाली का औसत वार्षिक वर्षा मे 25% कमी हो, उसे सूखा कहते है। गंभीर सूखे की स्थिति तब होती है जब किसी क्षेत्र की वर्षा मे 50% की कमी या 2 वर्षों से निरन्तर वर्षा न हुई हो।
भारतीय सिंचाई आयोग की 1972 की रिपोर्ट के अनुसार वे क्षेत्र जहाँ वार्षिक वर्षा 75 से.मी. से कम व वार्षिक वर्षा में 25% की कमी हो गंभीर सूखा ग्रस्त क्षेत्र कहलाते है।

B S E

बाढ़ :-
किसी क्षेत्र मे किन्ही कारणों से हुआ अचानक जल भराव जिससे जान माल जन-धन की हानि हो, उसे बाढ़ कहते है। बांधों मे अत्यधिक जल भराव, भारी वर्षा के कारण नदियों का अपने किनारों को लाँघने व चक्रवात या तूफानों के कारण बाँधों के फटने से निश्चित क्षेत्र मे अस्थायी जल भराव भरा जाता है जिससे बाढ़ आती है।

प्रश्न क्रमांक (18) के उत्तर (अथवा)

मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय चेतना में वृद्धि करने में अनेक कारकों का सहयोग रहा किन्तु समाचार पत्रों की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण रही। इस समय ऐसे अनेक समाचार पत्र, पत्रिकाएँ प्रकाशित हुई जिन्होंने ब्रिटिश शासन की अन्यायी व दमनकारी नीतियों से जनता को आन्दोलन के लिए प्रेरित किया, इनमें प्रमुख थे - 'कर्मवीर', अंकुश, सुबोध सिंधु (खण्डवा), 'न्यायसुधा' (हरदा), आर्यवैभव (बुरहानपुर), प्रजामण्डल पत्रिका (इन्दौर), सरस्वती विलास (जबलपुर) लोकमत, सुबह वतन (भोपाल) व साप्ताहिक बाजार (भोपाल) इत्यादि। (जबलपुर)

जब ब्रिटिश शासन के प्रतिबंधों के कारण समाचार पत्र प्रकाशित नहीं हो सके तो, गुप्त रूप से बुलेटिन व परचों के माध्यम से जन जागृति के कार्य हुए।

प्रश्न क्रमांक (19) का उत्तर (अथवा)

भारत व चीन युद्ध के परिणाम = भारत व चीन युद्ध के निकटवर्ती व दूरगामी परिणाम सामने आए जो निम्न है -

1. भारत - चीन संबंध तनाव पूर्ण हो गए।

2. भारत के भू-भाग का एक बहुत बड़ा भाग चीन के कब्जे में चला गया।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र. 3. भारत की गुटनिरपेक्ष नीति व अंतर्राष्ट्रीय छवि को धक्का लगा।

4. चीन - पाकिस्तान में नए संबंधो का निर्माण हुआ।

5. भारत की विदेश नीति में आदर्शवाद के स्थान पर व्यवहारिकता एवं यथार्थवाद को स्थान मिला।

भारत - अमेरिका संबंधों में सुधार हुआ।

B S E

प्रश्न क्रमांक (20) का उत्तर (अथवा)

समाजवादी -
समाजवादी से आशय भारतीय समाज व्यवस्था समाज के समतावादी ढांचे पर आधारित होगी। प्रत्येक भारतीय की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। भारत में यथास्थित समाजवाद को अपनाया जाएगा।

पंथ निरपेक्षता :-
भारत में संविधान द्वारा पंथ निरपेक्ष राज्य का आदर्श रखा गया है। इसका आशय यह है कि राज्य सभी धर्मों व पंथों की समान रूप से रक्षा करेगा, किसी धर्म या पंथ को राज्य के धर्म के रूप में नहीं मानेगा।

EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

सरकार द्वारा नागरिकों के मध्य धर्म या पंथ के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। प्रत्येक नागरिक को अपना धर्म, विश्वास, मान्यताएँ, रीति-रिवाज मनाने का अधिकार है।

प्रश्न क्रमांक (21) का उत्तर

आर्थिक प्रणाली :-

किसी देश की आर्थिक क्रियाओं का संचालन जिस व्यवस्था द्वारा किया जाता है इसे आर्थिक प्रणाली कहते है। आर्थिक प्रणाली मे अर्थव्यवस्था संबंधी सभी निर्णय लिए जाते है जैसे कि- कि क्या उत्पादन किया जाए, किन किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए, उत्पादन किस लिए किया जाए आदि। इन निर्णयों के आधार पर ही अर्थव्यवस्था से संबंधित सभी उत्पादन, विनीमय, वितरण आदि कार्य होते है। नागरिकों का जीवन भी इन्हीं निर्णयों पर निर्भर करता है। इस प्रकार आर्थिक प्रणाली को निम्नानुसार परिभाषित किया है-

प्रो. ए. जे. ब्राउन के अनुसार - "आर्थिक प्रणाली वह साधन है जिससे लोग अपनी आजीविका का उपार्जन करते है।"

आर्थिक प्रणाली की विशेषताएँ -

(i) आर्थिक प्रणाली का प्रमुख उद्देश्य आर्थिक समस्याओं को हल करना है।

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

2. अर्थव्यवस्था की प्रमुख समस्याएँ- क्या उत्पादन किया जाए, उत्पादन कैसे किया जाए, किन - किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए।

3. अर्थव्यवस्था में मानवीय आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के साधन सीमित मात्रा में पाए जाते हैं।

4. आर्थिक प्रणाली परिवर्तन शील होती है।

5. आर्थिक प्रणाली संस्थाओं का समूह है।

BSE

प्रश्न क्रमांक (23) का उत्तर (अथवा)

जापानियों द्वारा ब्रिटिश सेना के ओ सैनिक युद्धबंदी बना लिए गए थे। उनमें से एक अधिकारी कैप्टन मोहन सिंह थे जिन्होंने भारतीय युद्धबंदियों को संगठित कर फरवरी 1942 में आजाद हिन्द फौज की स्थापना की गई। आजाद हिन्द फौज की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य भारत की मुक्ति के लिए संघर्ष करना था। सन् 1943 में जब सुभाष चंद्र बोस जापान पहुँचे तो रासबिहारी बोस ने फौज के नेतृत्व का दायित्व उनको सौंपा। सुभाष सुभाष चंद्र बोस ने फौज का नेतृत्व संभालने के पश्चात यह घोषणा कि - मैं ईश्वर के नाम

MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

क्र.

पवित्र
पर यह शपथ लेता हूँ कि मैं भारत व उसे उसे 38 लाख नागरिकों को स्वतंत्र कराऊँगा व इस पवित्र युद्ध को अपने जीवन की अन्तिम श्वांस तक जारी रखूंगा। इसके अतिरिक्त सुभाष चंन्द्र बोस ने 1944 मे "दिल्ली चलो" का नारा भी दिया। सन् 1944 में रंगून से प्रस्थान कर म्यांनमार (बर्मा) में ब्रिटिश सेना से युद्ध किया व विजयी प्राप्त की। इसके अतिरिक्त आजाद हिन्द फौज ने भारत मे ब्रिटिश सेना से अनेक बार युद्ध किया व विजयी प्राप्त की। प्रथम बार 1944 में स्वतंत्र भारत की भूमि पर आजाद हिन्द फौज ने भारत - म्यांनमार सीमा पर तिरंगा फहराया। इसके बाद नागालैण्ड व कोहिमा पर भी अधिकार किया परन्तु आगे पराजय का मुख देखना पड़ा। सन् 1945 में हवाई दुर्घटना में सुभाष चंन्द्र बोस की मृत्यु हो गई। उसी वर्ष आजाद हिन्द फौज के प्रमुख सैनिक - सहगल, ढिल्लन व शाहनवाज खाँ को गिरफ्तार कर लिया व मुकदमा चलाया परन्तु भारतीय जनता ने इनकी रक्षा के लिए आवाज उठाई, विवश होकर ब्रिटिश सरकार को सैनिकों को रिहा करना पड़ा। इससे भारतीय नौसेना व वायुसेना को प्रेरणा मिली। एवं आजाद हिन्द फौज की प्रतिष्ठा बढ़ी। वस्तुतः आजाद हिन्द फौज ने भारत की स्वतंत्रता की पृष्ठभूमि तैयार कर दी।

6

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 16 क अंक | = कुल अं.

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (24) का उत्तर (अथवा)

1971 का भारत-पाक युद्ध 14 दिनों तक चला। इस युद्ध में पाकिस्तान के लिए काफी मंहगा सिद्ध हुआ। पाकिस्तान को उसके विशाल अंग पूर्वी पाकिस्तान से हाथ धोना पड़ा। पूर्वी पाकिस्तान अब बांग्लादेश के रूप में स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित हो चुका था। 1971 भारत-पाक युद्ध के निम्न परिणाम थे—

B

(1) बांग्लादेश का निर्माण हुआ।

S

E

(2) पाकिस्तान की जनसंख्या शक्ति व क्षेत्रफल कम हुआ।

(3) सन् 1965 के बाद 1971 की पुनः हार ने पाकिस्तान का मनोबल तोड़ दिया।

(4) इस युद्ध में पाकिस्तान से सहानुभूति रखने वाले राष्ट्र चीन व अमेरिका की महत्वकांक्षाओं व हौसलों की पराजय हुई।

(5) भारत की समझ आ गया कि अमेरिका उसका शुभ चिन्तक नहीं है अतः इसने सोवियत संघ से मित्रता बढ़ाई।

(6) देश के सभी राजनीतिक दलों ने अपने आपसी मतभेद भुला दिए व बांग्लादेश की

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAP

स्वतंत्रता ही प्रमुख प्रश्न बना।

प्रश्न क्रमांक (26) का उत्तर (अथवा)

जनसंख्या विस्फोट -

किसी देश की जनसंख्या इतनी अधिक हो कि देश में उपलब्ध संसाधनों द्वारा उसकी पूर्ति न हो सके, उसे जनसंख्या विस्फोट कहते है। यह हमारे सारे आर्थिक प्रयासों को विफल कर देते है व प्रजातंत्र के मार्ग में बाधा होती है। विकासशील व विकसित राष्ट्रों के लिए यह अभिशाप है।

जनसंख्या विस्फोट के समाज पर प्रभाव :

(1) प्रति व्यक्ति आय मे कमी आती है।

(2) बचत एवं विनियोग बहुत कम हो पाता है।

(3) भूमि पर जनसंख्या का दबाव बढ़ता है जिसे भूमि आवश्यक मात्रा में अनाज पैदा नहीं कर पा रही है।

(4) चिकित्सा सेवाएँ आवश्यक मात्रा मे पूर्ति नहीं कर पाती है।

(5) बेरोजगारों की संख्या में वृद्धि हो जाती है क्योंकि श्रम आपूर्ति अधिक व काम के अवसर कम हो जाते है।

(6) जनसंख्या विस्फोट से वस्तुओं की माँग बढ़ती है परन्तु वस्तुएँ सीमित मात्रा में उपलब्ध होती है फलस्वरूप

प्रश्न क्र. महँगाई बढ़ जाती है।

(ग.) शिक्षा एवं आवास की समस्या बढ़ जाती है इसलिए कृषि व अन्य उपयोगी भूमि पर आवास बना लिए जाते है।

प्रश्न क्रमांक (16) का उत्तर (अथवा)

संचार-
सूचना एवं संदेशो को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजना संचार कहलाता है।

B
S
E

संचार के साधन:-

(I) मोबाइल फोन या सेल्युलर फोन:- यह बेतार का तार जैसा फोन है इसे मोबाइल या सेल्युलर फोन कहते है। इसे जेब में रखकर कहीं भी ले जाया जा सकता है व फोन किया व रिसीव प्राप्त भी किया जा सकता है।

(II) तार:- अमेरिकी वैज्ञानिक थामस एल्वा एडीसन ने टेलीग्राफ का आविष्कार किया, इसके माध्यम से शीघ्र संदेश भेजे जाने लगे। इसके विद्युत के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर टेलैक्सी नाम मशीन द्वारा संदेश भेजे जाते है। इसके लिए मोर्सकोड नामक

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

सांकेतिक भाषा का प्रयोग किया जाता है।

(iii) फैक्स :- यह एक प्रकार से लिखित संदेश भेजने या प्राप्त करने की विधि है। इसके लिए एक मशीन की आवश्यकता होती है जिसे फैक्स मशीन कहते हैं। यह मशीन छपने वाले का पता, मो. नम्बर भी प्रविष्ट कर देती है।

(iv) इन्टरनेट :- यह इन्टरनेशनल नेटवर्क का संक्षिप्त नाम है। यह कम्प्यूटरों को आपस में जोड़ने की सर्वाधिक सक्षम अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रणाली है। इस सेवा के द्वारा पूरी दुनिया की खबरें देखी तथा संपर्क किया जा सकता है। इसका उपयोग संचारों से संबंधित आंकड़ों के संग्रहण व प्रकाशन के लिए किया जाता है। इसने करोड़ो उपयोग कर्ताओं को आपस में जोड़ रखा है।

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 20 के अंक | कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (२२) का उत्तर (अथवा)

नाम	संकेत
i) फुहार	,
ii) धुन्ध	∞
iii) घने बादल	●
iv) शांत	⊙
v) प्रबल समीर	

B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
सामाजिक विज्ञान	3 0 0	हिन्दी	13 03 18

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

कोड नं. 451035

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

मीना वर्मा

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

मुख्य उत्तर पुस्तिका

प्रश्न क्रमांक (23) का उत्तर।

संसद में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया

1.) प्रथम वाचन या विधेयक का प्रस्तुतीकरण -

संसद का कोई भी सदस्य एक माह पूर्व की सूचना के आधार पर लोकसभा अध्यक्ष या राष्ट्रपति की अनुमति मिलने पर सदन मे प्रस्तुत करता है इस स्तर पर कोई वाद विवाद नहीं होता। विधेयक का प्रस्तुतीकरण ही प्रथम वाचन कहलाता है।

2) द्वितीय वाचन: -

इसमें विधेयक की प्रतियाँ सदस्यों को बाँटी जाती है केवल शीर्षक पढ़ा जाता मूल अवधारणा पर विचार होता है। वाद विवाद नहीं होता है।

BSE

के अंकों का योग

3. समिति अवस्था :-

गहन विचार के लिए सदन को छोटी-छोटी समितियों बाँटा जाता है व सूक्ष्मता से विचार किया जाता है।

4. प्रतिवेदन स्तर :

समिति प्रतिवेदन या सरसदन द्वारा संशोधन की प्रतियाँ बाँटी जाती है। सदन चाहे तो सामान्य रूप से या सदस्य कुछ संशोधन करना चाहे तो कर सकते है। अंत में बहुमत द्वारा विधेयक ~~पास~~ पारित हो जाता है।

5. तृतीय वाचन :-

प्रतिवेदन के बाद विधेयक पारित होने की प्रक्रिया तृतीय वाचन कहलाती है।

6. ~~विधेय~~ विधेयक का दूसरे सदन में जाना :-

जब विधेयक एक सदन में पारित हो जाता है तो उसे दूसरे सदन में भेजा जाता है। ~~इसन~~ दूसरे सदन में विधेयक उपरोक्त उन गतिविधि से गुजरता है।

7. राष्ट्रपति के हस्ताक्षर :

जब दोनों सदन द्वारा विधेयक पास हो जाता है तो इसे राष्ट्रपति के पास हस्ताक्षर करने के हेतु भेजते है। उसके बाद यह कानून बन जाता है। परन्तु राष्ट्रपति चाहे तो धन विधेयक न होते

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

पुनः सदन के पुनर्विचार हेतु भेज सकता है और यदि दोनो सदन उसे पुनः पारित कर राष्ट्रपति के पास भेजते है तो राष्ट्रपति को हस्ताक्षर करना ही होता है।